संख्या– BSDM/ KYP-96/2021 - 2035

बिहार सरकार
श्रम संसाधन विभाग
बिहार कौशल विकास मिशन

प्रेषक,

सुरेश कुमार सिंह,
मिशन निदेशक,
बिहार कौशल विकास मिशन,
बिहार, पटना।

सेवा में,

सभी **BSDC, KYP** केन्द्र संचालनकर्ता,
बिहार।

पटना, दिनांक– 29-08-24

विषयः– दिनांक 05.09.2024 को "शिक्षक सम्मान सप्ताह'' मनाये जाने के संबंध में।

महाशय,

उपरोक्त विषय से संबंधित "शिक्षक सम्मान सप्ताह'' संबंधी लेख संलग्न करते हुए सूचित करना है कि बिहार कौशल विकास मिशन द्वारा कुशल युवा कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं के कौशल को निखारने एवं इस कार्यक्रम के द्वारा युवाओं को सशक्त बनाने के लिए दिनांक 05.09.2024 को "शिक्षक सम्मान सप्ताह'' आयोजित किया गया है।

अतएव अनुरोध है कि पत्र के साथ संलग्न ''लेख'' में वर्णित बिन्दुओं के आलोक में अपने केन्द्र पर ''शिक्षक सम्मान सप्ताह'' आयोजित कर कौशल विकास कार्यक्रम के प्रचार–प्रसार, युवाओं के कौशल को निखारने एवं इस कार्यक्रम के द्वारा युवाओं को सशक्त बनाने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें।

विश्वासभाजन

29/8/24

(सुरेश कुमार सिंह)
मिशन निदेशक,
बिहार कौशल विकास मिशन।

शिक्षक सम्मान सप्ताह

हर साल 5 सितंबर को, शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिन समाज के प्रति शिक्षकों के अमूल्य योगदान को सम्मानित करने के लिए समर्पित होता है। यह अवसर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की स्मृति को भी समर्पित है, जो एक प्रतिष्ठित विद्वान, दार्शनिक, और भारत के दूसरे राष्ट्रपति (1962-1967) थे। उनकी विरासत शिक्षकों और छात्रों दोनों को प्रेरित करती है, जो राष्ट्र-निर्माण में शिक्षा के गहरे प्रभाव को रेखांकित करती है।

शिक्षक दिवस पारंपरिक कक्षा की सीमाओं से परे जाकर उन पेशेवरों तक भी पहुँचता है जो अपने करियर में उन्हें मार्गदर्शन देने वाले मार्गदर्शकों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। यह एक ऐसा दिन है जिसमें छात्रों और शिक्षकों के बीच आपसी सम्मान और प्रशंसा व्यक्त की जाती है, जहाँ छात्र शिक्षकों के निरंतर प्रयासों को पहचानते हैं, जो वे उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए करते हैं, और शिक्षक अपनी सेवा और समर्पण के लिए सच्चा सम्मान प्राप्त करते हैं।

इस उत्सव की भावना में, हम उस यात्रा को याद करते हैं जो हमने 16 दिसंबर 2016 को 48 कौशल विकास केंद्रों और 1978 शिक्षार्थियों के साथ शुरू की थी। आज, हम बिहार के युवाओं के लिए एक अवसर के प्रतीक के रूप में गर्व महसूस करते हैं, 38 जिलों में फैले 1886 प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से 25 लाख से अधिक युवाओं को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण से जोड़ा है। इस उपलब्धि को पाँच हजार से अधिक समर्पित प्रशिक्षकों (Learning Facilitators) द्वारा संभव बनाया गया है, जो कुशल युवा कार्यक्रम के माध्यम से हमारे युवाओं के कौशल को निखारने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बिहार के युवाओं को सशक्त बनाना है, ताकि वे राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास में योगदान कर सकें।

शिक्षक दिवस (5 सितंबर 2024) के इस अवसर पर, हम सभी कौशल विकास केंद्रों से "शिक्षक सम्मान सप्ताह" अभियान शुरू करने का आह्वान कर रहे हैं। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों और प्रशिक्षकों (Learning Facilitators) को उनके अटूट समर्पण के लिए सम्मानित और पुरस्कृत करना है और कुशल युवा कार्यक्रम में अधिकतम नामांकन को प्रोत्साहित करना है। यह पहल न केवल हमारे शिक्षकों के समर्पण का उत्सव मनाती है बल्कि अधिक से अधिक युवाओं को कौशल विकास के दायरे में लाने के लिए उनके प्रभाव को बढ़ाने का भी प्रयास करती है।

आइए हम इस अवसर का उपयोग उन शिक्षकों और मार्गदर्शकों के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए करें, जो हमारे जीवन और समाज के भविष्य को आकार देते हैं। उनका योगदान अमूल्य है और इस शिक्षक दिवस पर, हम उनके सेवा, समर्पण, और हमारे जीवन में उनकी परिवर्तनकारी भूमिका का सम्मान करते हैं।

शिक्षक सम्मान सप्ताह के दौरान "कुशल युवा कार्यक्रम" की जागरूकता बढ़ाने और उम्मीदवारों की संख्या बढ़ाने के लिए कुछ गतिविधियाँ:

1. स्कूलों और कॉलेजों में शिक्षक सम्मान कार्यक्रम आयोजित करें

- **सम्मान समारोह**: पास के स्कूलों और कॉलेजों का दौरा करें और वहाँ सम्मान समारोह आयोजित करें, जहाँ शिक्षकों को ट्रॉफी, प्रमाणपत्र और स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया जाए। यह कदम न केवल उनके योगदान को मान्यता देगा, बल्कि शैक्षणिक संस्थानों और कौशल विकास केंद्र के बीच मजबूत संबंध भी स्थापित करेगा।
- **छात्रों की भागीदारी**: इन समारोहों में छात्रों को भी शामिल करें, उन्हें भाषण, कविता, या प्रदर्शन के माध्यम से अपने आभार व्यक्त करने के लिए प्रेरित करें। इससे अन्य छात्रों को कुशल युवा कार्यक्रम और इसके लाभों के बारे में अधिक जानने की प्रेरणा मिलेगी।

2. स्कूल/कॉलेज के शिक्षकों को कौशल विकास केंद्र में आमंत्रित करें

- **केंद्र दौरा और सम्मान**: स्थानीय स्कूलों और कॉलेजों के शिक्षकों को कौशल विकास केंद्र का दौरा करने के लिए आमंत्रित करें। केंद्र की सुविधाओं का दौरा आयोजित करें, उसके बाद एक सम्मान कार्यक्रम हो जहाँ शिक्षकों को प्रशंसा प्रमाणपत्र और छोटे-छोटे उपहार दिए जाएं।
- **सूचना सत्र**: उनके दौरे के दौरान, कुशल युवा कार्यक्रम, इसके छात्रों पर प्रभाव, और शिक्षकों द्वारा अपने छात्रों को नामांकित करने के लिए कैसे प्रोत्साहित किया जा सकता है, इसके बारे में एक संक्षिप्त सत्र आयोजित करें।

3. शिक्षकों के लिए कार्यशालाएँ

- **कौशल विकास कार्यशालाएँ**: शिक्षकों के लिए विशेष कार्यशालाएँ आयोजित करें, जो डिजिटल साक्षरता, संवाद कौशल, साइबर सुरक्षा कौशल, या 21वीं सदी के अध्ययन कौशल जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित हों। यह न केवल शिक्षकों के कौशल को बढ़ाता है बल्कि उन्हें कार्यक्रम की पेशकशों से परिचित कराता है, जिससे वे इसे अपने छात्रों को अनुशंसा करने के लिए अधिक प्रेरित होते हैं।
- **इंटरैक्टिव सत्र**: इंटरैक्टिव सत्र शामिल करें जहाँ शिक्षक अपने अनुभव साझा कर सकें और शिक्षा में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा कर सकें। इस सहभागिता से कौशल विकास केंद्र और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सामुदायिकता और सहयोग की भावना को बढ़ावा मिलेगा।

4. मौजूदा प्रशिक्षकों (Learning Facilitators) का सम्मान

- **आंतरिक सम्मान कार्यक्रम**: कौशल विकास केंद्र में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित करें ताकि मौजूदा प्रशिक्षकों (Learning Facilitators) का सम्मान किया जा सके। उन्हें कार्यक्रम की सफलता में उनके समर्पण और योगदान के लिए प्रमाणपत्र, ट्रॉफी, या स्मृति चिन्ह प्रदान करें।
- **सहकर्मी मान्यता**: शिक्षार्थियों को उनके प्रशिक्षकों (Learning Facilitators) के प्रति अपने अनुभव और आभार साझा करने के लिए प्रेरित करें। यह सहकर्मी मान्यता प्रशिक्षकों (Learning Facilitators) का मनोबल बढ़ाती है और उनके और छात्रों के बीच के बंधन को मजबूत करती है।

5. कौशल प्रदर्शन कार्यक्रम

- **छात्र प्रदर्शन**: ऐसे कार्यक्रम आयोजित करें जहाँ वर्तमान छात्र अपनी अर्जित कौशल का प्रदर्शन कर सकें। स्थानीय स्कूलों और कॉलेजों के शिक्षकों को इन प्रदर्शनियों को देखने के लिए आमंत्रित करें, ताकि प्रशिक्षण की प्रभावशीलता को उजागर किया जा सके।
- **शिक्षकों की भागीदारी**: आने वाले शिक्षकों को प्रदर्शन में भाग लेने या कुछ कौशल आज़माने के लिए प्रेरित करें। यह अनुभव उन्हें कार्यक्रम के पक्ष में मजबूत समर्थन प्रदान कर सकता है।

6. शैक्षणिक संगोष्ठियाँ और जागरूकता सत्र

- **करियर विकास पर संगोष्ठियाँ**: करियर विकास और कौशल संवर्धन के महत्व पर केंद्रित संगोष्ठियाँ आयोजित करें। शिक्षकों को इन सत्रों में आमंत्रित करें और उन्हें अपने छात्रों के साथ साझा करने के लिए सामग्री प्रदान करें, ताकि कुशल युवा कार्यक्रम की जागरूकता फैलाई जा सके।
- **प्रश्नोत्तरी सत्र**: प्रश्नोत्तरी सत्र आयोजित करें जहाँ शिक्षक कार्यक्रम, इसके पाठ्यक्रम और इसके द्वारा प्रदान किए जाने वाले अवसरों के बारे में प्रश्न पूछ सकें। उनकी चिंताओं को सीधे संबोधित करने से वे कार्यक्रम के प्रति अधिक समर्थन प्राप्त कर सकते हैं।

7. पूर्व छात्रों की शंसापत्र (testimonial) और पैनल चर्चा

- **पूर्व छात्रों के अतिथि वक्ता**: सफल पूर्व छात्रों को कौशल विकास केंद्र या स्थानीय स्कूलों और कॉलेजों में बोलने के लिए आमंत्रित करें। उनकी सफलता की कहानियाँ शिक्षकों को अपने छात्रों को समान अवसरों की ओर मार्गदर्शन करने के लिए प्रेरित कर सकती हैं।
- **प्रशिक्षकों (Learning Facilitators) के साथ पैनल चर्चा**: पैनल चर्चा आयोजित करें जहाँ • प्रशिक्षक (Learning Facilitators) अपने अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं को आने वाले शिक्षकों के साथ साझा कर सकें। विचारों का यह आदान-प्रदान मजबूत सहयोग और कार्यक्रम के प्रभाव की गहरी समझ पैदा कर सकता है।

8. स्कूलों और कॉलेजों एवं कोचिंग संस्थानों के साथ सहयोगी परियोजनाएँ

- **संयुक्त पहल**: स्थानीय स्कूलों और कॉलेजों एवं कोचिंग संस्थानों के साथ संयुक्त पहल का प्रस्ताव दें, जैसे सामुदायिक सेवा परियोजनाएँ या कौशल प्रतियोगिताएँ। इन परियोजनाओं में छात्रों और शिक्षकों दोनों को शामिल करें, जिससे कौशल विकास केंद्र को अपनी पेशकशों को प्रदर्शित करने के अवसर मिलें।
- **सह-ब्रांडेड कार्यक्रम**: स्कूलों और कॉलेजों एवं कोचिंग संस्थानों के साथ मिलकर सह-ब्रांडेड कार्यक्रम आयोजित करें, जैसे करियर मेलों या कौशल प्रदर्शनियों का आयोजन करें, जहाँ दोनों संस्थान अपने कार्यक्रमों और लाभों को व्यापक दर्शकों तक पहुँचाने के लिए प्रमोट कर सकें।

9. सार्वजनिक प्रदर्शन और मान्यता

- **सम्मान बोर्ड**: कौशल विकास केंद्र में एक "शिक्षक सम्मान बोर्ड" बनाएं, जहाँ सम्मानित शिक्षकों के नाम और तस्वीरें प्रदर्शित की जाएं। यह सार्वजनिक मान्यता अन्य शिक्षकों को शामिल होने और कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है।
- **प्रदर्शन के लिए प्रमाणपत्र**: शिक्षकों को ऐसे प्रमाणपत्र प्रदान करें जिन्हें वे अपने कक्षाओं या कार्यालयों में प्रदर्शित कर सकें, ताकि कुशल युवा कार्यक्रम से उनका संबंध दिखाया जा सके। यह छात्रों और अभिभावकों के लिए बातचीत का एक आधार भी हो सकता है।

10. सोशल मीडिया और डिजिटल अभियान

- **शिक्षक सम्मान अभियान:** एक सोशल मीडिया अभियान शुरू करें, जहाँ छात्र और पूर्व छात्र अपने शिक्षकों को धन्यवाद देते हुए कहानियाँ, चित्र, और वीडियो पोस्ट कर सकें और कुशल युवा कार्यक्रम की भूमिका को उजागर कर सकें। #ShikshakSammanSaptah और #KushalYuvaProgram जैसे हैशटैग का उपयोग करें ताकि अभियान का प्रचार हो सके।
- **लक्षित डिजिटल विज्ञापन**: सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर लक्षित विज्ञापन का उपयोग करें, जिसमें क्षेत्रीय फोकस हो। विज्ञापनों में कार्यक्रम के लाभ और अभियान सप्ताह के दौरान होने वाले कार्यक्रमों को प्रदर्शित किया जा सकता है।

इसके आलावा अपने क्षेत्र के नुकसार प्रभावी गतविधिया की जा सकती है

Certificate Designs (will be shared with SDCs in CDR format)